F.No.- CSU-LKO/2026-2027/Dir/01/

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर

शुभसंवत् 2083, श्रावणशुक्ल 10, 22 अगस्त, 2026

सूचना-55

संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में वेध यन्त्र-निर्माण कार्यशाला

(ज्योतिषशास्त्र विद्याशाखा के सभी छात्र–छात्राओं के लिए 24 से 27 अगस्त, 2026 तक कक्ष संख्या 3 में)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर के ज्योतिष शास्त्र विद्या शाखा द्वारा संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में 'वेध यन्त्र-निर्माण कार्यशाला' का आयोजन किया जा रहा है।

भारतीय ज्योतिषशास्त्र की समृद्ध परम्परा में आकाशीय पिण्डों के प्रत्यक्ष प्रेक्षण एवं गणना के लिए विभिन्न प्रकार के वेध यन्त्रों का निर्माण एवं प्रयोग किया जाता रहा है। इन यन्त्रों की सहायता से ग्रहों की उन्नति, नति, दिगंश, क्रान्ति, शर, समय तथा अन्य खगोलीय विषयों का प्रत्यक्ष वेध द्वारा निर्धारण किया जाता है।

इस कार्यशाला में मानयन्त्र, धनुर्यन्त्र, शङ्कुयन्त्र, विभिन्न प्रकार की धूपघड़ियाँ, दक्षिणोत्तर भित्तियन्त्र, दिगंशयन्त्र, जयप्रकाशयन्त्र, नाडीवलययन्त्र, रामयन्त्र, षष्ठांशयन्त्र तथा सम्राट्-पालभायन्त्र आदि का परिचय दिया जाएगा।

कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य यन्त्रों का निर्माण करते हुए उनके पीछे निहित ज्यामितीय, त्रिकोणमितीय एवं खगोलीय सिद्धान्तों को प्रत्यक्ष रूप से समझाना है।

इस प्रकार यह कार्यशाला विद्यार्थियों को भारतीय ज्योतिष की वेध-परम्परा को केवल ग्रन्थों में पढ़ने के स्थान पर उसे स्वयं बनाकर और प्रयोग करके समझने का अवसर प्रदान करेगी तथा भारतीय ज्ञान-परम्परा के वैज्ञानिक एवं प्रयोगात्मक पक्ष से परिचित कराएगी।

21/8/26

(प्रो. सर्वनारायण झा)
निदेशक

प्रतिलिपि

1. उपर्युक्त सभी को सूचनार्थ एवं कार्यार्थ
2. सूचना सञ्चिका
3. कार्यावण्टन सञ्चिका
4. वेबसाइड पर अपलोड हेतु श्री मुकुल कुमार मिश्र
5. IQAC को सूचनार्थ
6. निदेशक कार्यालय प्रति
7. अतिरिक्त प्रति

21/8/26

निदेशक